

अध्याय 8

सुदामा चरित

1 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1: सुदामा के जीवन की मुख्य प्रेरणास्रोत क्या था?

उत्तर: सुदामा का मुख्य प्रेरणास्रोत भगवान कृष्ण का मित्रता और निस्वार्थ प्रेम था।

प्रश्न 2: सुदामा और भगवान कृष्ण के बीच कौन-कौन सी गुणवत्ताएँ थीं?

उत्तर: सुदामा और भगवान कृष्ण की मित्रता, सच्चाई, निस्वार्थ प्रेम और सहानुभूति थी।

प्रश्न 3: सुदामा का भगवान कृष्ण के पास क्यों जाना था?

उत्तर: सुदामा को अपनी गरीबी से छुटकारा पाने और अपने परिवार को सुख-शांति देने के लिए भगवान कृष्ण के पास जाना था।

प्रश्न 4: सुदामा का चरित्र किस प्रकार के लिए प्रसिद्ध है?

उत्तर: सुदामा का चरित्र निःस्वार्थ प्रेम, साधारणता, और निर्बलता को प्रशंसा करने के लिए प्रसिद्ध है।

प्रश्न 5: सुदामा और भगवान कृष्ण के बीच कैसी दोस्ती थी?

उत्तर: सुदामा और भगवान कृष्ण की दोस्ती निःस्वार्थ और आत्मीय थी। वे एक दूसरे के मित्र थे और आपस में बहुत प्रेम करते थे।

प्रश्न 6: सुदामा भगवान कृष्ण के पास क्या लेकर गया था?

उत्तर: सुदामा ने भगवान कृष्ण को दाल के दो बोरे लेकर गया था जो उनकी पत्नी ने भेजे थे।

प्रश्न 7: सुदामा कृष्ण भगवान से कैसे मिला?

उत्तर: सुदामा ने कृष्ण भगवान के द्वार पर खड़ा होकर उनसे मिलने का निमंत्रण मांगा था।

प्रश्न 8: सुदामा की गरीबी उसकी व्यक्तित्विक विशेषता कैसे बनी?

उत्तर: सुदामा की गरीबी ने उसकी साधारणता, निर्बलता, और निष्काम प्रेम को उजागर किया। इससे उसका व्यक्तित्व अद्वितीय बन गया।

प्रश्न 9: सुदामा और भगवान कृष्ण के बीच वार्ता की महत्वपूर्ण बातें क्या थीं?

उत्तर: सुदामा और भगवान कृष्ण के बीच वार्ता में भगवान कृष्ण ने सुदामा की सहायता करने का उत्साह दिखाया और उन्हें धन-संपत्ति दी।

प्रश्न 10: सुदामा का चरित्र बच्चों के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: सुदामा का चरित्र बच्चों को सामाजिक न्याय, निःस्वार्थ प्रेम, और मित्रता की महत्ता को समझाने में मदद करता है। उसकी कहानी बच्चों को सामाजिक मूल्यों और अनुशासन के महत्व को सिखाती है।

2अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1: सुदामा की दीनदशा देखकर श्रीकृष्ण की क्या मनोदशा हुई? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर:

सुदामा की दीनदशा को देखकर दुख के कारण श्री कृष्ण की आँखों से अश्रुधारा बहने लगी। उन्होंने सुदामा के पैरों को धोने के लिए पानी मँगवाया। परन्तु उनकी आँखों से इतने आँसू निकले की उन्ही आँसुओं से सुदामा के पैर धुल गए।

प्रश्न 2: “चोरी की बान में हौ जू प्रवीने।”

(क) उपर्युक्त पंक्ति कौन, किससे कह रहा है?

(ख) इस कथन की पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

(ग) इस उपालंभ (शिकायत) के पीछे कौन-सी पौराणिक कथा है?

उत्तर:

(क) उपर्युक्त पंक्ति श्रीकृष्ण अपने बालसखा सुदामा से कह रहे हैं।

(ख) अपनी पत्नी द्वारा दिए गए चावल संकोचवश सुदामा श्रीकृष्ण को भेंट स्वरूप नहीं दे पा रहे हैं। परन्तु श्रीकृष्ण सुदामा पर दोषारोपण करते हुए इसे चोरी कहते हैं और कहते हैं कि चोरी में तो तुम पहले से ही निपुण हो।

(ग) बचपन में जब कृष्ण और सुदामा साथ-साथ संदीपन ऋषि के आश्रम में अपनी-अपनी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। तभी एकबार जब श्रीकृष्ण और सुदामा जंगल में लकड़ियाँ एकत्र करने जा रहे थे तब गुरुमाता ने उन्हें रास्ते में खाने के लिए चने दिए थे। सुदामा श्रीकृष्ण को बिना बताए चोरी से चने खा लेते हैं। श्रीकृष्ण उसी चोरी का उपालंभ सुदामा को देते हैं।

प्रश्न 3: “पानी परात को हाथ छुयो नहीं, नैनन के जल सों पग धोए।” पंक्ति में वर्णित भाव का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर:

प्रस्तुत दोहे में यह कहा गया है कि जब सुदामा दीन-हीन अवस्था में कृष्ण के पास पहुँचे तो कृष्ण उन्हें देखकर व्यथित हो उठे। श्रीकृष्ण ने सुदामा के आगमन पर उनके पैरों को धोने के लिए परात में पानी मँगवाया परन्तु सुदामा की दुर्दशा देखकर श्रीकृष्ण को इतना कष्ट हुआ कि वे स्वयं रो पड़े और उनके आँसुओं से ही सुदामा के पैर धुल गए। अर्थात् परात में लाया गया जल व्यर्थ हो गया।

प्रश्न 4: द्वारका से खाली हाथ लौटते समय सुदामा मार्ग में क्या-क्या सोचते जा रहे थे? वह कृष्ण के व्यवहार से क्यों खीझ रहे थे? सुदामा के मन की दुविधा को अपने शब्दों में प्रकट कीजिए।

उत्तर:

द्वारका से खाली हाथ लौटते समय सुदामा का मन बहुत दुखी था। वे कृष्ण द्वारा अपने प्रति किए गए व्यवहार के बारे में सोच रहे थे कि जब वे कृष्ण के पास पहुँचे तो कृष्ण ने आनन्द पूर्वक उनका आतिथ्य सत्कार किया था। क्या वह सब दिखावटी था? वे कृष्ण के व्यवहार से खीझ रहे थे क्योंकि उन्हें आशा थी कि श्रीकृष्ण उनकी दरिद्रता दूर करने के लिए धन-दौलत देकर विदा करेंगे परन्तु श्रीकृष्ण ने उन्हें चोरी की उलहाना देकर खाली हाथ ही वापस भेज दिया।

4अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1: अपने गाँव लौटकर जब सुदामा अपनी झोंपड़ी नहीं खोज पाए तब उनके मन में क्या-क्या विचार आए? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

द्वारका से लौटकर सुदामा जब अपने गाँव वापस आएँ तो अपनी झोंपड़ी के स्थान पर बड़े-बड़े भव्य महलों को देखकर सबसे पहले तो उनका मन भ्रमित हो गया कि कहीं मैं घूम फिर कर वापस द्वारका ही तो नहीं चला आया। फिर भी उन्होंने पूरा गाँव छानते हुए सबसे पूछा लेकिन उन्हें अपनी झोंपड़ी नहीं मिली।

प्रश्न 2: निर्धनता के बाद मिलनेवाली संपन्नता का चित्रण कविता की अंतिम पंक्तियों में वर्णित है। उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर:

श्रीकृष्ण की कृपा से निर्धन सुदामा की दरिद्रता दूर हो गई। जहाँ सुदामा की टूटी-फूटी सी झोपड़ी रहा करती थी, वहाँ अब सोने का महल खड़ा है। कहाँ पहले पैरों में पहनने के लिए चप्पल तक नहीं थी, वहाँ अब घूमने के लिए हाथी घोड़े हैं, पहले सोने के लिए केवल यह कठोर भूमि थी और अब शानदार नरम-मुलायम बिस्तरों का इंतजाम है, कहाँ पहले खाने के लिए चावल भी नहीं मिलते थे और आज प्रभु की कृपा से खाने को मनचाही चीज उपलब्ध है। परन्तु वे अच्छे नहीं लगते।

प्रश्न 3: “पानी परात को हाथ छुयो नहीं, नैनन के जल सो पग धोए”

ऊपर लिखी गई पंक्ति को ध्यान से पढ़िए। इसमें बात को बहुत अधिक बढ़ा-चढ़ाकर चित्रित किया गया है। जब किसी बात को इतना बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है तो वहाँ पर अतिशयोक्ति अलंकार होता है। आप भी कविता में से एक अतिशयोक्ति अलंकार का उदाहरण छाँटिए।

उत्तर:

“कै वह टूटी-सी छानी हती, कहँ कंचन के अब धाम सुहावत।”- यहाँ अतिशयोक्ति अलंकार है।

टूटी सी झोपड़ी के स्थान पर अचानक कंचन के महल का होना अतिशयोक्ति है।

रिक्त स्थान प्रश्न और उत्तर भरें:

प्रश्न 1: सुदामा भगवान _____ के निकट एक करीबी दोस्त थे।

उत्तर: सुदामा भगवान कृष्ण के निकट एक करीबी दोस्त थे।

प्रश्न 2: सुदामा ने कृष्ण के दरबार में जाकर अपनी _____ को दूर करने के लिए मदद मांगी थी।

उत्तर: सुदामा ने कृष्ण के दरबार में जाकर अपनी गरीबी को दूर करने के लिए मदद मांगी थी।

प्रश्न 3: सुदामा ने कृष्ण को भेंट देने के लिए _____ को उपहार में पेश किया था।

उत्तर: सुदामा ने कृष्ण को भेंट देने के लिए चिवड़ा को उपहार में पेश किया था।

प्रश्न 4: सुदामा का कृष्ण के पास जाना मानवता की _____ को दर्शाता है।

उत्तर: सुदामा का कृष्ण के पास जाना मानवता की नम्रता को दर्शाता है।

प्रश्न 5: सुदामा की पत्नी ने उसे किसी _____ को कृष्ण को उपहार के रूप में देने के लिए दिया था।

उत्तर: सुदामा की पत्नी ने उसे किसी चिवड़े को कृष्ण को उपहार के रूप में देने के लिए दिया था।

प्रश्न 6: सुदामा की कृष्ण के साथ दोस्ती _____ और सम्मान पर आधारित थी।

उत्तर: सुदामा की कृष्ण के साथ दोस्ती साझेदारी और सम्मान पर आधारित थी।

प्रश्न 7: सुदामा को उसकी _____ और कृष्ण के प्रति निष्ठा के लिए जाना जाता था।

उत्तर: सुदामा को उसकी निष्ठा और कृष्ण के प्रति भक्ति के लिए जाना जाता था।

प्रश्न 8: सुदामा की साधारणता और _____ ने कृष्ण का आदर जीता।

उत्तर: सुदामा की साधारणता और ईमानदारी ने कृष्ण का आदर जीता।

प्रश्न 9: सुदामा का कृष्ण के पास जाना निःस्वार्थता और _____ का संदेश देता है।

उत्तर: सुदामा का कृष्ण के पास जाना निःस्वार्थता और नम्रता का संदेश देता है।

प्रश्न 10: सुदामा की कहानी में _____ की महत्ता को दोस्ती में जोड़ती है।

उत्तर: सुदामा की कहानी में वफादारी और निःस्वार्थ प्रेम की महत्ता को दोस्ती में जोड़

सारांश

सुदामा भगवान कृष्ण के एक विशेष मित्र थे। सुदामा गरीब थे और उनकी गरीबी का बोझ बहुत था। एक दिन, उनकी पत्नी ने उन्हें कृष्ण के पास भेंट भेजने के लिए कहा। सुदामा गरीबी के बावजूद कृष्ण के दरबार में गये और उन्हें चिवड़ा दिया।

कृष्ण ने सुदामा को बड़ा प्यार से स्वागत किया और चिवड़ा खाया। सुदामा वहाँ से गरीबी मिटाने के इरादे से नहीं गये, बल्कि कृष्ण की दिव्य दृष्टि और प्रेम से प्रेरित हुआ।

वापस जाते समय, सुदामा देखता है कि उनकी गरीबी दूर हो चुकी है और उनके घर में सभी सुख-शांति है। इससे सुदामा को बड़ी खुशी मिलती है। वह कृष्ण की कृपा और उसके प्रेम का आभास करता है। इस कहानी से हमें निःस्वार्थ प्रेम, मित्रता, और सहानुभूति की महत्ता समझाई गई है।